शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर में हिन्दी सप्ताह - 2020 का आयोजन

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर में हिन्दी सप्ताह **(14 से 21 सितंबर , 2020)** का आयोजन हुआ। दिनांक 14/09/2020 को **'हिन्दी दिवस'** के दिन हिन्दी सप्ताह -2020 का समारंभ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री कैलाश चन्द गुप्ता ने माननीय गृह मंत्री , भारत सरकार तथा मंत्रिमंडल सचिव के संदेशों को पढ़ा तथा 14 सितंबर (हिन्दी दिवस) को भारतीय भाषाओं के सौहार्द के रूप में महत्ता दिये जाने का जिक्र करते हुए संविधान में राजभाषा संबंधी किए गए प्रावधानों की जानकारी दी साथ ही सरकारी कामकाज में सामान्य शब्दों की जगह पारिभाषिक शब्दों के प्रयोग के संबंध में प्रावधान की जानकारी दी। श्री गुप्ता ने इस अवसर पर हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं राजभाषा बोध, हिन्दी टिप्पण- आलेखन , हिन्दी टंकण सामान्य व सारांश(यूनिकोड समर्थित) , स्वरचित कविता-पाठ की जानकारी दी।

हिन्दी दिवस पर माननीय गृह मंत्री,भारत सरकार के संदेश को पढ़ते हुए संस्थान के सहा. नि. (रा.भा.)

संस्थान के समूह समन्वयक(शोध) डॉ. जी .सिंह ने इस अवसर पर कहा कि हमें अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए तथा अधिक से अधिक संवाद तथा लेखन अपनी भाषा में हो इस हेतु प्रयास करना चाहिए उन्होंने कई देशों का उदाहरण दिया जो अपनी राजभाषा में कार्य कर रहें है तथा आज विकसित देशों की श्रेणी में खड़े हैं।

समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. जी.सिंह

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. इन्द्रदेव आर्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वह भाषा जिसमें हम अपनी बात को सही ढंग से व्यक्त कर सकते हैं हमारी मातृभाषा होती है। हम हिन्दी भाषी हैं इसलिए हमारे लिए हिन्दी का प्रयोग सहज रहता है। उन्होंने राजभाषा हिन्दी पर उपयोगी जानकारी संबंधी व्याख्यान समय-समय पर आयोजित किए जाने का प्रस्ताव करते हुए कहा कि इससे महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है तथा जानकारी अपडेट होती रहती है।

समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. इन्द्र देव आर्य

इस अवसर पर संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच , भा.व.से. ने कहा कि भारत की अधिकांश भाषाएँ संस्कृत से प्रभावित हैं तथा कुछ भाषाओं की लिपि में कहीं कहीं समानता देखी

जा सकती है। निदेशक महोदय ने संस्थान के हिंदी कामकाज की सराहना करते हुए सभी से अपनी भाषा से जुड़ाव रखने को कहा तथा सरकारी कार्यों में राजभाषा को बढ़ावा दिये जाने का आह्वान किया।

समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान निदेशक

अंत में सहा. निदेशक (राजभाषा) ने सभी का आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान श्री अजय वशिष्ठ, क॰ अनुवादक का सहयोग रहा।

हिंदी सप्ताह-2020 के दौरान हिन्दी राजभाषा बोध , हिंदी टिप्पण आलेखन , हिंदी टंकण (सामान्य) एवं सारांश (यूनिकोड) , स्वरचित कविता - पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं जिनमें संस्थान के कर्मियों ने बढ़ -चढ़ कर भाग लिया

हिंदी सप्ताह के दौरान हिन्दी टिप्पण -आलेखन प्रतियोगिता का दृश्य

दिनांक 17/09/2020 को संस्थान में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की हिंदी कार्यगोष्ठी आयोजित हुई जिसमें संस्थान के सहायक निदेशक(राजभाषा) ने उन्हें हिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा नियमों तथा सरकारी कामकाज में हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग के बारे में जानकारी दी।

हिन्दी कार्यशाला

हिन्दी सप्ताह के दौरान दिनांक 18/09/2020 को निदेशक महोदय की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित हुई जिसमें संस्थान में हो रहे हिन्दी कामकाज का जायजा लिया गया तथा महत्वपूर्ण मदों पर चर्चा हुई।

संस्थान की तिमाही राजभाषा बैठक का

हिन्दी सप्ताह-2020 का समापन समारोह दिनांक 21/09/2020 को आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि श्री सत्यदेव संवितेंद्र, हिंदी तथा मारवाड़ी के जाने माने कवि रहे। संस्थान निदेशक ने मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत किया तथा इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान के पदाधिकारियों की जानकारी वाले हिंदी बोर्ड का अनावरण किया।

मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच

पदाधिकारियों की सूचना बोर्ड का अनावरण करते हुए मुख्य अतिथि महोदय

हिंदी सप्ताह समापन समारोह अवसर पर स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लेकर विविध विषयों पर रचित अपनी-अपनी कविताओं का पाठ किया।

संस्थान के सहा॰ निदेशक(राजभाषा) ने वर्ष 2019-20 की संस्थान की हिंदी राजभाषा प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा दिये जाने के संबंध में उठाए जा रहे कदमों का उल्लेख किया।

हिंदी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सहा.निदेशक(राजभाषा)

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. इन्द्रदेव आर्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान की हिंदी प्रगति सराहनीय है तथा सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा मिलना चाहिए।

समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. इन्द्र देव आर्य

संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ.जी.सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सरकारी कामकाज में शब्दों का चयन ध्यान से करना चाहिए। उन्होंने कविता पाठ की विषय-वस्तु की समीक्षा की तथा संस्थान के कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रगति हेतु ज़ोर दिये जाने वाले कारणों को उपयुक्त बताया।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.जी. सिंह

संस्थान के निदेशक श्री माना राम बालोच , भा.व.से. ने अपने उद्‌बोधन में संस्थान की गतिविधियों में हिंदी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी के समूहिक प्रयासों से हिंदी को बढ़ावा मिल रहा है। कविता-पाठ प्रतियोगिता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बताया कि सभी रचनाएँ मौलिकता लिए हुए हृदय के उद्‌गार हैं।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान निदेशक

श्री सत्यदेव संवितेंद्र ने अपने अतिथि सम्बोधन में इस समारोह में उपस्थित रहने की प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत जैसे बहुसंस्कृति वाले देश में जहां कई भाषाएँ हैं, जहां कई पर्व हैं, कई मान्यताएँ हैं अगर कोई एक भाषा है जो सभी को एकता के सूत्र में बांध रही है तो वह हिंदी ही है अतः भाषा के प्रति अपने दायित्वों को जानना भी जरूरी है। मुख्य अतिथि महोदय ने शोध संस्थान में हो रहे हिंदी कामकाज की प्रशंसा की तथा कविता -पाठ में प्रस्तुत की गई रचनाओं की सराहना की तथा आपने स्वयं भी मरुधरा पर एक आशावादी गीत सुनाया।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महोदय ने हिन्दी सप्ताह के दौरान हुई हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण -पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए संस्थान निदेशक

समापन समारोह के दौरान मंच संचालन तथा आभार ज्ञापन श्री अजय वशिष्ठ , क॰ अनुवादक ने किया।

हिन्दी सप्ताह कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के संबंध में जारी दिशा निर्देशों का ध्यान रखा गया।

हिन्दी सप्ताह - 2020 की कुछ झलकियां

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान

हिन्दी सप्ताह
14-21 सितम्बर, 2020
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,

हिन्दी सप्ताह
14-21 सितम्बर, 2020
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

हिन्दी सप्ताह
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर

हिन्दी सप्ताह
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर

हिन्दी सप्ताह
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर

हिन्दी सप्ताह
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर

हिन्दी सप्ताह
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर

जोधपुर : आफरी में हिन्दी सप्ताह का हुआ शुभारंभ

वॉइस ऑफ हक़ / जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में हिंदी दिवस पर हिंदी सप्ताह (14-21 सितम्बर 2020) का समारंभ हुआ जिसमें संस्थान के कैलाशचन्द गुप्ता, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने भारत के माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिव के हिंदी दिवस के संदेशों का वाचन किया तथा संस्थान निदेशक एम.आर. बालोच, भा.व.से. की जारी अपील को भी पढ़ा गया। कैलाशचन्द गुप्ता, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने 14 सितम्बर (हिंदी दिवस) को भारतीय भाषाओं के सौहार्द के रूप में महत्ता दिए जाने का जिक्र करते हुए संविधान में राजभाषा संबंधी किए गए प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा सरकारी कामकाज में सामान्य शब्दों की जगह पारिभाषिक शब्दों के प्रयोग की बात कही। भारतीय अंको के अन्तरराष्ट्रीय रूप को प्रयोग में लाने का उल्लेख करते हुए देवनागरी रूप के प्रयोग के संबंध में प्रावधान की जानकारी दी। हिंदी सप्ताह के दौरान हिंदी राजभाषा बोध, हिंदी टिप्पण-आलेखन, हिंदी टंकण व काव्य पाठ प्रतियोगिताओं के आयोजन की जानकारी दी। संस्थान निदेशक एम.आर. बालोच, भा.व.से. ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश की भाषाएं संस्कृत से प्रभावित हैं तथा संस्कृत के शब्द उनमें समाहित हैं।

एकल परिवार की अवधारणा में शिक्षक की भूमिका प्रभावी हो जाती है : प्रहलादराम गोयल

जोधपुर। "शिक्षण संस्थान खुले है, सभी कार्य सम्पादित हो रहे हैं सिवाय कक्षाशिक्षण के अतः ऐसे समय में भी शिक्षक की भूमिका समाज में सबसे महत्वपूर्ण होने के साथ एकल परिवार की अवधारणा में शिक्षक की भूमिका प्रभावी हो जाती है..... " यह उद्गार सोमवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय आलोप की पोल भट्टी की बावड़ी में आयोजित वृक्षारोपण कार्य म के अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जोधपुर शहर प्रहलादराम गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये। विद्यालय संस्था प्रधान रहमतुल्लाह ने अध्यक्षता करते हुए आगन्तुकों व अतिथियों का अभिनन्दन साफा, शॉल व माला से किया, समाजसेवी एवं भामाशाह अभय गौड़, हीरालाल व सुमन सांखला का विशेष अभिनन्दन किया गया।

आफरी में हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ

जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) में हिंदी सप्ताह का शुभारंभ हुआ जिसमें संस्थान के सहायक निदेशक (राजभाषा) कैलाशचन्द्र गुप्ता ने भारत के गृह मंत्री और भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिव के हिंदी दिवस के संदेशों का वाचन किया। उन्होंने हिंदी सप्ताह के दौरान हिंदी राजभाषा बोध, हिंदी टिप्पण-आलेखन, हिंदी टंकण व काव्य पाठ प्रतियोगिताओ के आयोजन की जानकारी दी। संस्थान निदेशक एम.आर बालोच ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश की भाषाए संस्कृत से प्रभावित है तथा संस्कृत के शब्द उनमें समाहित हैं।। भाषा का प्रभव संस्कृति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने संस्थान में हो रहे हिंदी कामकाज की सराहना करते हुए सभी को अपनी भाषा से जुड़ाव रखने को कहा तथा सरकारी कार्यों में राजभाषा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. इन्द्रदेव आर्य ने कहा कि अपनी भाषा में ही बात को सही ढंग से व्यक्त करते की क्षमता है। हम हिंदी भाषी हैं इसलिए हमारे लिए हिंदी का प्रयोग सहज रहता है। उन्होंने राजभाषा हिंदी पर उपयोगी जानकारी संबंधी व्याख्यान समय-समय पर आयोजित किए जाने का प्रस्ताव करते हुए कहा कि इससे महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है तथा जानकारी अपडेट होती रहती है। आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. जी. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि हमें अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए तथा प्रयास हो कि अधिकाधिक संवाद व लेखन अपनी भाषा में ही हो। कार्यक्रम के दौरान अनुवादक अजय वशिष्ठ ने सहयोग किया।

आफरी में हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह

(कार्यालय संवाददाता)

जोधपुर, 21 सितंबर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में सोमवार को 14 सितम्बर से चल रहे हिंदी सप्ताह का समापन हुआ जिसके मुख्य अतिथि जोधपुर के जाने माने कवि एवं रचनाकार सत्यदेव संवितेन्द्र रहे। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों के विवरण संबंधी हिंदी बोर्ड का अनावरण किया। इस अवसर पर हिंदी स्वरचित कविता पाठ का आयोजन हुआ जिसके माध्यम से प्रतिभागियों ने समसामयिक परिस्थितियों के संबंध में अपने उद्गार व्यक्त किये।

संस्थान निदेशक एम. आर. बालोच, भा.व.से. ने संस्थान की गतिविधियों में हिंदी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से हिंदी को बढ़ावा मिल रहा है। कविता पाठ प्रतियोगिता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बताया कि सभी रचनाएं मौलिकता को सिद्ध करती हैं तथा कवि के अपने उद्गारों को व्यक्त करती हैं। मुख्य अतिथि ने संस्थान में हो रहे हिंदी प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा बताया कि शोध संस्थान के लिए यह गौरव की बात है। उन्होंने काव्य पाठ की रचनाओं की भी सराहा तथा मरूधरा पर एक आशावादी गीत भी सुनाया। मुख्य अतिथि सत्यदेव संवितेन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि भारत जैसे बहुसंस्कृति वाले देश में जहां कई भाषाएं है, जहां कई पर्व हैं, कई मान्यताएं है अगर कोई एक भाषा है जो एकता के सूत्र में बांधती है तो वह हिंदी ही है। भाषा के प्रति अपने दायित्वों को भी जानना जरूरी है। संस्थान के कैलाशचन्द गुप्ता, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने वर्ष 2019-20 का हिंदी प्रगति प्रतिवेदन पढ़ा तथा सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा दिए जाने हेतु उठाये जा रहे कदमों की जानकारी दी गई। डॉ. इन्द्रदेव आर्य, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान की हिंदी प्रगति सराहनीय है तथा कामकाज में हिंदी को बढ़ावा मिलना भी चाहिए। आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. जी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने इस अवसर पर कहा कि सरकारी कामकाज में शब्दों का चयन ध्यान से करना चाहिए। उन्होंने कविता पाठ की विषय वस्तु की समीक्षा की तथा संस्थान के कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रगति हेतु जोर देने के कारणों को उपयुक्त बताया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि संवितेन्द्र ने हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। हिंदी स्वरचित कविता पाठ में सवाई सिंह राजपुरोहित ने प्रथम स्थान, कुसुम परिहार ने द्वितीय स्थान तथा सोहन लाल गर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया; हिंदी टंकण (यूनिकोड) में प्रेम प्रकाश ने प्रथम स्थान, मीता सिंह तोमर ने द्वितीय स्थान तथा अखिल सिंह भण्डारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी राजभाषा बोध प्रतियोगिता में प्रेम प्रकाश ने प्रथम स्थान, कैलाश चौधरी ने द्वितीय स्थान तथा नरेन्द्र कुमार लिम्बा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया; हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में अखिल सिंह भण्डारी ने प्रथम स्थान, नरेन्द्र कुमार शारदा ने द्वितीय स्थान तथा नरेन्द्र कुमार लिम्बा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और हिंदी टंकण (सामान्य) में देवेन्द्र सिंह सिसौदिया ने प्रथम स्थान, नरेन्द्र कुमार शारदा ने द्वितीय स्थान तथा अखिल सिंह भण्डारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समारोह के दौरान मंच संचालन तथा आभार ज्ञापन अजय वशिष्ठ ने किया।

स्वत्वाधिकारी, मालिक, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक मनीष चोपड़ा के लिए चोपड़ा ऑफसेट प्रिन्टर्स, एम.जी.एच. रोड़ जोधपुर से मुद्रित एवं दैनिक जनगण ए

आफरी में हिन्दी सप्ताह का समापन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) में सोमवार को हिंदी सप्ताह का समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि कवि एवं रचनाकार सत्यदेव संवितेन्द्र थे। संस्थान निदेशक एमआर बालोच ने संस्थान की गतिविधियों में हिंदी की भूमिका का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि ने संस्थान में हो रहे हिंदी प्रयोग की प्रशंसा की। संस्थान के राजभाषा सहायक निदेशक कैलाशचन्द गुप्ता ने वर्ष 2019-20 का हिंदी प्रगति प्रतिवेदन पढ़ा। मुख्य अतिथि संवितेन्द्र ने हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। हिंदी स्वरचित कविता पाठ में सवाई सिंह राजपुरोहित, हिंदी टंकण (यूनिकोड) में प्रेम प्रकाश, हिंदी राजभाषा बोध प्रतियोगिता में प्रेम प्रकाश, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में अखिल सिंह भण्डारी, हिंदी टंकण (सामान्य) में देवेन्द्र सिंह सिसौदिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आफरी में हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह

वॉइस ऑफ हक्र / जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में दिनांक 21 सितम्बर 2020 को 14 सितम्बर से चल रहे हिंदी सप्ताह का समापन हुआ जिसके मुख्य अतिथि जोधपुर के जाने माने कवि एवं रचनाकार सत्यदेव संवितेन्द्र रहे। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों के विवरण संबंधी हिंदी बोर्ड का अनावरण किया। इस अवसर पर हिंदी स्वरचित कविता पाठ का आयोजन हुआ जिसके माध्यम से प्रतिभागियों ने समसामयिक परिस्थितियों के संबंध में अपने उद्गार व्यक्त किये।

संस्थान निदेशक एम. आर. बालोच, भा.व.से. ने संस्थान की गतिविधियों में हिंदी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से हिंदी को बढ़ावा मिल रहा है। कविता पाठ प्रतियोगिता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बताया कि सभी रचनाएं मौलिकता को सिद्ध करती हैं तथा कवि के अपने उद्गारों को व्यक्त करती हैं। मुख्य अतिथि ने संस्थान में हो रहे हिंदी प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा बताया कि शोध संस्थान के लिए यह गौरव की बात है। उन्होंने काव्य पाठ की रचनाओं को भी सराहा तथा मरूधरा पर एक आशावादी गीत भी सुनाया। मुख्य अतिथि सत्यदेव संवितेन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि भारत जैसे बहुसंस्कृति वाले देश में जहां कई भाषाएं है, जहां कई पर्व हैं, कई मान्यताएं है अगर कोई एक भाषा है जो एकता के सूत्र में बांधती है तो वह हिंदी ही है। भाषा के प्रति अपने दायित्वों को भी जानना जरूरी है।

राष्ट्रदूत जालोर, 22 सितम्बर, 2020

सार-समाचार

आफरी में हिन्दी सप्ताह संपन्न

जोधपुर, (कासं)। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में 14 से 21 सितम्बर तक चले हिंदी सप्ताह का समापन हुआ जिसके मुख्य अतिथि जोधपुर के जाने माने कवि एवं रचनाकार सत्यदेव संवितेन्द्र रहे। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों के विवरण संबंधी हिंदी बोर्ड का अनावरण किया। इस अवसर पर हिंदी स्वरचित कविता पाठ का आयोजन हुआ जिसके माध्यम से प्रतिभागियों ने समसामयिक परिस्थितियों के संबंध में अपने उद्गार व्यक्त किये। संस्थान निदेशक एम. आर. बालोच, भा.व.से. ने संस्थान की गतिविधियों में हिंदी की भूमिका का उल्लेख किया। संस्थान के कैलाशचन्द गुप्ता, सहायक निदेशक (राजभाषा), डॉ. इन्द्रदेव आर्य वरिष्ठ वैज्ञानिक, आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. जी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक कामकाज में हिंदी का महत्व बताया। मुख्य अतिथि संवितेन्द्र ने हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। हिंदी स्वरचित कविता पाठ में सवाई सिंह राजपुरोहित ने प्रथम स्थान, कुसुम परिहार ने द्वितीय स्थान तथा सोहन लाल गर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया; हिंदी टंकण (यूनिकोड) में प्रेम प्रकाश ने प्रथम स्थान, मीता सिंह तोमर ने द्वितीय स्थान तथा अखिल सिंह भण्डारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया; हिंदी राजभाषा बोध प्रतियोगिता में प्रेम प्रकाश ने प्रथम स्थान, कैलाश चौधरी ने द्वितीय स्थान तथा नरेन्द्र कुमार लिम्बा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया; हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में अखिल सिंह भण्डारी ने प्रथम स्थान, नरेन्द्र कुमार शारदा ने द्वितीय स्थान तथा नरेन्द्र कुमार लिम्बा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और हिंदी टंकण (सामान्य) में देवेन्द्र सिंह सिसौदिया ने प्रथम स्थान, नरेन्द्र कुमार शारदा ने द्वितीय स्थान तथा अखिल सिंह भण्डारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समारोह के दौरान मंच संचालन तथा आभार ज्ञापन अजय वशिष्ठ ने किया।

क्रमशः ⟨ दैनिक प्रातः कालीन ⟩

सार-संक्षेप

आफरी में हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह

(कार्यालय संवाददाता)

जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में सोमवार को 14 सितम्बर से चल रहे हिंदी सप्ताह का समापन हुआ जिसके मुख्य अतिथि जोधपुर के जाने माने कवि एवं रचनाकार सत्यदेव संवितेन्द्र रहे। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों के विवरण संबंधी हिंदी बोर्ड का अनावरण किया। इस अवसर पर हिंदी स्वरचित कविता पाठ का आयोजन हुआ जिसके माध्यम से प्रतिभागियों ने समसामयिक परिस्थितियों के संबंध में अपने उद्गार व्यक्त किये।

संस्थान निदेशक एम. आर. बालोच, भा.व.से. ने संस्थान की गतिविधियों में हिंदी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से हिंदी को बढ़ावा मिल रहा है। कविता पाठ प्रतियोगिता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बताया कि सभी रचनाएं मौलिकता को सिद्ध करती हैं तथा कवि के अपने उद्गारों को व्यक्त करती हैं। मुख्य अतिथि ने संस्थान में हो रहे हिंदी प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा बताया कि शोध संस्थान के लिए यह गौरव की बात है। उन्होंने काव्य पाठ की रचनाओं को भी सराहा तथा मरूधरा पर एक आशावादी गीत भी सुनाया। मुख्य अतिथि सत्यदेव संवितेन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि भारत जैसे बहुसंस्कृति वाले देश में जहां कई भाषाएं है, जहां कई पर्व हैं, कई मान्यताएं है अगर कोई एक भाषा है जो एकता के सूत्र में बांधती है तो वह हिंदी ही है। भाषा के प्रति अपने दायित्वों को भी जानना जरूरी है। संस्थान के कैलाशचन्द गुप्ता, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने वर्ष 2019-20 का हिंदी प्रगति प्रतिवेदन पढ़ा तथा सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा दिए जाने हेतु उठाये जा रहे कदमों की जानकारी दी गई। डॉ. इन्द्रदेव आर्य, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान की हिंदी प्रगति सराहनीय है तथा कामकाज में हिंदी को बढ़ावा मिलना भी चाहिए। आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. जी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने इस अवसर पर कहा कि सरकारी कामकाज में शब्दों का चयन ध्यान से करना चाहिए।